

ठाणे महानगरपालिका, ठाणे.

महापालिका सचिव कार्यालय,  
दिनांक :- २०/०१/२०१५

मा. सर्वसाधारण सभा इतिवृत्तांत  
सभा क्रमांक ३०, दिनांक २०/०१/२०१५  
सभा सूचना क्रमांक ०९ दिनांक ०८/०१/२०१५  
सभा क्रमांक ०२ दिनांक २०/०१/२०१५

ठाणे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण सभा मंगळवार दिनांक २०/०१/२०१५ रोजी सकाळी ११.३० वाजता ठाणे महानगरपालिकेच्या " डॉ. भारतरत्न डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर सभागृहात " सभा सूचना क्रमांक ०९ दिनांक ०८/०१/२०१५ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचारविनिमय करण्याकरिता आयोजित करण्यांत आली होती.

सदरची सभा अर्धा तासासाठी तहकूब करण्यांत आली होती. सदरची तहकूब सभा दुपारी २.१० वाजता पुन्हा सुरु करण्यांत आली.

सभेच्या अध्यक्षस्थानी मा. महापौर श्री. संजय भाऊराव मोरे हे उपस्थित होते.

- १) श्री. संजय भाऊराव मोरे - महापौर  
२) श्री. राजेंद्र रमेश साप्ते - उप महापौर

|    |                         |    |                         |
|----|-------------------------|----|-------------------------|
| ३  | आरज प्रगती भारत         | ४  | नरेश रतन मणोरा          |
| ५  | मढवी बिंदू महेंद्र      | ६  | डुंबरे मनोहर जयसिंग     |
| ७  | मुकेश मधुकर मोकाशी      | ८  | उज्वला रामचंद्र फडतरे   |
| ९  | मिनाक्षी राजेंद्र शिंदे | १० | स्नेहा अंकुश पाटील      |
| ११ | मधुकर रामचंद्र पावशे    | १२ | उषा संजय भोईर           |
| १३ | भोईर संजय देवराम        | १४ | आशादेवी शेरबहादूर सिंह  |
| १५ | हरिश्चंद्र श्रीपत पाटील | १६ | चव्हाण तेजस्विनी किरण   |
| १७ | चव्हाण सुधाकर वामन      | १८ | इंदिसे रेखाबाई मिनानाथ  |
| १९ | संभाजी धोंडिराम पंडीत   | २० | प्राजक्ता प्रदिप खाडे   |
| २१ | विलास चंदू कांबळे       | २२ | सुशिला संकटाप्रसाद यादव |
| २३ | राधा फत्तेबहादूर सिंह   | २४ | राजकुमार रामनयन यादव    |
| २५ | जाधवर राधाबाई सुभाष     | २६ | सरैय्या अमित जयसिंग     |
| २७ | पाटील वर्षा वसंत        | २८ | जगदाळे हनुमंत ज्ञानु    |
| २९ | पालांडे दशरथ बाबुराव    | ३० | भोईर विमल अर्जून        |


महापौर  
ठाणे महानगरपालिका ठाणे

|     |                                |     |                         |
|-----|--------------------------------|-----|-------------------------|
| ३१  | पाटील कल्पना हरिश्चंद्र        | ३२  | चव्हाण विक्रान्त भिमसेन |
| ३३  | लासे विजया मनोज                | ३४  | पाटील शारदा विजय        |
| ३५  | पाटील उमेश काशिनाथ             | ३६  | गौरी अनिता सुनील        |
| ३७  | देसाई सुहास सुर्यकांत          | ३८  | पाटील रत्नप्रभा लक्ष्मण |
| ३९  | मिलिंद माधव पाटणकर             | ४०  | महेश्वरी संजय तरे       |
| ४१  | नंदिनी राजन विचारे             | ४२  | एगडे रामचंद्र हरी       |
| ४३  | वडवले संतोष वसंत               | ४४  | मंदार प्रमोद विचारे     |
| ४५  | वैती अशोक बारकू                | ४६  | कणसे निर्मला शरद        |
| ४७  | तायडे रामभाऊ महादेव            | ४८  | बोरीटकर प्रभा अशोक      |
| ४९  | आशा बाबासाहेब कांबळे           | ५०  | भोईर एकता एकनाथ         |
| ५१  | शान मनप्रीत गुरमकसिंग          | ५२  | जितेंद्र प्रभाकर वाघ    |
| ५३  | संगिता माणिक पाटील             | ५४  | शिंदे मनोज तुकाराम      |
| ५५  | घाडीगांवकर संजय पांडुरंग       | ५६  | काशिराम गोविंद राऊत     |
| ५७  | खताळ विशाखा मधुकर              | ५८  | मोरे संध्या सुनिल       |
| ५९  | जगताप अश्विनी अशोक             | ६०  | जानकर योगेश तातोबा      |
| ६१  | संखे मिनल मुकूंद               | ६२  | वेतकर दिपक विजय         |
| ६३  | म्हस्के नरेश गणपत              | ६४  | भोसले नम्रता दिपक       |
| ६५  | पाटील सुजाता भास्कर            | ६६  | हिराकांत बेडू फर्डे     |
| ६७  | नारायण शंकर पवार               | ६८  | मोरे रुचिता राजेश       |
| ६९  | कोकाटे सुधीर विष्णु            | ७०  | सोनार सारिका संजय       |
| ७१  | वाघ पुजा गणेश                  | ७२  | महेश सुरेश वाघ          |
| ७३  | वहिदा मुस्तफा खान              | ७४  | नजीब सुलेमान मुल्ला     |
| ७५  | मनिषा महेश साळवी               | ७६  | महेश जगन्नाथ साळवी      |
| ७७  | पाटील मिलिंद भारत              | ७८  | पाटील मनाली मिलिंद      |
| ७९  | केणी मुकूंद बाळू               | ८०  | केणी प्रमिला मुकूंद     |
| ८१  | महदिप भुपेंद्रसिंह बिस्ट       | ८२  | हंडोरे मेघना सुनिल      |
| ८३  | लोखंडे सुहासिनी सुनिल          | ८४  | अनिता अरुण बिर्जे       |
| ८५  | पाटील मालती रमाकांत            | ८६  | संजय संतू वाघुले        |
| ८७  | रेखा भालचंद्र पाटील            | ८८  | टिकमानी लक्ष्मण (लच्छू) |
| ८९  | नाईक राजश्री सुनिल             | ९०  | राजे गिरीश अनंत         |
| ९१  | राजेश भालचंद्र गवारी           | ९२  | पाटील अवंतिका शशिकांत   |
| ९३  | ठाकूर अक्षय अनंत               | ९४  | यादव रिटा राजनाथ        |
| ९५  | कळंबे मंगल चंद्रकांत           | ९६  | काकडे बालाजी दगाडू      |
| ९७  | कुरेशी यासीन अय्युब            | ९८  | कुरेशी साजिया आई        |
| ९९  | विश्वनाथ भगत                   | १०० | असिया यासिन कुरेशी      |
| १०१ | किणे राजन नारायण               | १०२ | गोटे सिंधू कुंदन        |
| १०३ | मिर्झा जमेला तबस्सूम इनायत बेग | १०४ | पाटील रेश्मा रमेश       |
| १०५ | आशरीन इब्राहीम राऊत            | १०६ | पठाण अशरफ उस्तान        |
| १०७ | हफिजा नसीरुद्दीन नाईक          | १०८ | डोंगरे सिराज महम्मद अली |
| १०९ | अन्सारी साजिया परवीन सरफराज    | ११० | हिरा सिताराम पाटील      |
| १११ | पाटील शैलेश मनोहर              | ११२ | मुंडे सुनिता गणेश       |

३... ..

-: गैरहजर सदस्य :-

|    |                      |    |                          |
|----|----------------------|----|--------------------------|
| १  | पुर्णेकर जयनाथ यशवंत | २  | वाव्हळ सुभाष सिताराम     |
| ३  | सरनाईक परिषा प्रताप  | ४  | सरनाईक विहंग प्रताप      |
| ५  | पांडे संजय श्रीनाथ   | ६  | डिसोजा लॉरेन्स साल्वाडोर |
| ७  | नंदा कृष्णा पाटील    | ८  | साळवी अपर्णा मिलींद      |
| ९  | साळवी मनोहर रामा     | १० | सामंत विलास शिवराम       |
| ११ | भरत अभिमन्यु चव्हाण  | १२ | भगत सुधीर रामचंद्र       |
| १३ | खान मिराज नईम        |    |                          |

  
-महाधीर  
काणे महानगरपालिका काणे

**प्रश्न क्रमांक १ :-**

सन्मा.सदस्य श्री. मिलिंद पाटणकर यांनी दि. २२.१२.२०१४ रोजीच्या पत्रान्वये विचारलेल्या प्रश्नांची उत्तरे खालीलप्रमाणे.

| अ.क्र | प्रश्न   | उत्तर  |
|-------|--|--|
| १.    | १) ठामपा विकास नियंत्रण नियमावलीच्या कोणत्या कलमाप्रमाणे सौर उर्जेवर आधारित पाणी गरम करण्याची व्यवस्था करणे बंधनकारक आहे. सदर कलमाप्रमाणे सौर उर्जेवर आधारित पाणी गरम करण्याची व्यवस्था सर्व निवासी सदनिकांसाठी बंधनकारक आहे का ? नसल्यास इमारतीतील एकूण सदनिकांपैकी कमीतकमी किती टक्के सदनिकांना सौर उर्जेवर आधारित पाणी गरम करण्याची व्यवस्था पुरविण्याचे विकासकावर बंधन आहे ? | <p>ठाणे महानगरपालिका क्षेत्रामधील विकास कामाकरीता शासनाने विकास नियंत्रण नियमावली मंजूर केलेली आहे. सदर मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीमधील नियम क्र. १६९ नुसार सौर उर्जेवर पाणी गरम करण्याची यंत्रणा बसविणेबाबतची तरतुद समाविष्ट करण्यात आलेली आहे. सदर तरतुदीनुसार नियोजित बांधकामाकरीता सौरउर्जा यंत्रणा कार्यान्वित करणे अनिवार्य आहे. सदर तरतुदीनुसार हॉस्पिटल, नर्सिंग होम, हॉटेल्स, लॉज, गेस्ट हाऊस, हॉस्टेल्स, शाळा, कॉलेजेस, ट्रेनिंग सेंटर्स आणि इतर संस्था, कम्युनिटी सेंटर्स, रहिवास इमारती, शासकीय इमारती इत्यादीकरीता सौर उर्जा यंत्रणा बसविणे आवश्यक आहे.</p> <p>सदर नियमा अंतर्गत इमारतीच्या प्रकारानुसार per capita capacity (liter per day) नमूद करण्यात आलेली आहे. त्यानुसार रहिवास इमारतीकरीता per capita २५ Lpcd याप्रमाणे क्षमता आवश्यक आहे.</p> <p>सदर नियमावलीमध्ये वरिलप्रमाणे किमान क्षमता नमूद करण्यात आलेली असून, सदनिकांची संख्या व त्यानुसार कार्यान्वित करावयाच्या सौर उर्जेबाबत आकडेमोड दर्शविण्यात आलेली नाही.</p> <p>तसेच, सौरउर्जा ही बाब पर्यावरणाशी निगडीत असून २०,०००.० चौ. मी. किंवा त्यापेक्षा जास्त बांधकाम क्षेत्र प्रस्तावित असलेल्या बांधकाम प्रकल्पाकरीता केंद्र शासनाच्या वने व पर्यावरण विभागाकडील सन २००६ च्या अधिसूचनेनुसार शासनाचा ना हरकत दाखला सादर करणे विकासकास अनिवार्य आहे. सदर ना हरकत दाखल्याकरीता विकासकास नियोजित बांधकाम क्षेत्रास अनुसरून प्रकल्पाचा सविस्तर तपशिल संबंधित विभागास सादर करणे क्रमप्राप्त असून, सदर प्रकल्पाच्या पडताळणीनंतर ना हरकत दाखला देण्यात येतो. सदर ना हरकत दाखल्यामध्ये नमूद केलेल्या तपशिलानुसार सौरउर्जा यंत्रणा कार्यान्वित करणे प्रकल्पाच्या विकासकास बंधनकारक आहे.</p> |

१२/१२/२०१४

मिलिंद पाटणकर

सदर

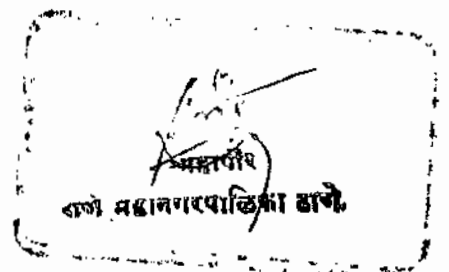
|    |  |   |
|----|--|---|
| २. | <p>२) महापालिकेने मंजुर केलेल्या आराखडयानुसार इमारतीचे बांधकाम विकासकाने केलेले नसल्यास किती दराने दंड आकारला जातो ? इमारतीमध्ये केलेल्या बदलानुसार पार्किंगच्या संस्येत वाढ होत असल्यास वाढलेली पार्किंग व्यवस्था दुस-या इमारतीत किंवा विंग मध्ये करता येते का ? अशा प्रकारे बांधकामात बदल केलेल्या इमारतीस वापर परवाना देणे अनुज्ञेय आहे का ? उत्तर हो असल्यास कोणत्या अटी व शर्तीवर ?</p> | <p>मंजुर नकाशानुसार बांधकाम केलेले नसेल, परंतु करण्यात आलेले बांधकाम विकास नियंत्रण नियमावलीशी सुसंगत असल्यास सदर बांधकाम मा.महासभा ठराव क्र. २२२, दि. २०/०९/२०१३ रोजी दिलेल्या मान्यतेनुसार तसेच मा. स्थायी समिती, ठराव क्र. ३१६५ दि.३०/०३/२०१३ नुसार गुन्हा क्षमापन शुल्क आकारून उक्त बांधकाम नियमानुकूल करता येते. सदर दर पत्रकानुसार वसूल करावयाचे शुल्क खालीलप्रमाणे आहे.</p> <p>१) बांधकाम परवानगी न घेता केलेले बांधकाम जमिनीच्या मुल्याच्या ४०% अधिक बांधकाम मुल्याच्या १०% अधिक परवानगी अनामतच्या २०%.</p> <p>२) बांधकाम परवानगी घेतलेले मात्र a) प्रारंभ प्रमाणपत्र न घेतलेले - जमिनीच्या मुल्याच्या ३०% अधिक बांधकाम मुल्याच्या १०% अधिक परवानगी अनामतच्या २०%., b) प्रारंभ प्रमाणपत्र घेतलेले मात्र जोता प्रमाणपत्र न घेतलेले - जमिनीच्या मुल्याच्या २०% अधिक बांधकाम मुल्याच्या ४% अधिक परवानगी अनामतच्या २०%., c) प्रारंभ प्रमाणपत्र घेतलेले, जोता प्रमाणपत्र घेतलेले मात्र वापर परवाना न घेतलेले - जमिनीच्या मुल्याच्या ४% अधिक बांधकाम मुल्याच्या ४% अधिक परवानगी अधिमूल्याच्या २०%. विकास प्रस्तावा अंतर्गत नियोजित करण्यात आलेल्या सदनिकांकरीता विकास नियंत्रण नियमावली नियम क्र. ८५ नुसार किमान आवश्यक पार्किंग दर्शविणे आवश्यक आहे. पार्किंगची संख्या हि सदनिकांच्या कारपेट क्षेत्रास अनुसरून काढण्यात येते. तसेच, दर्शविण्यात येणा-या पार्किंगकरीता विकास नियंत्रण नियमावलीमध्ये २.३० मी. x ४.५० मी. याप्रमाणे किमान क्षेत्र असणे आवश्यक आहे. त्याप्रमाणे मंजुर अभिन्यासामध्ये पार्किंग दर्शविण्यात येते. सदरचे पार्किंग हे संपूर्ण अभिन्यासामध्ये दर्शविलेल्या इमारतींच्या स्ट्रिल्टमध्ये किंवा बेसमेंटमध्ये किंवा पोटियमखाली दर्शविण्यात येते. एखाद्या विशिष्ट इमारतीकरीता स्वतंत्र पार्किंग याप्रमाणे विभागणीबाबत नियमावलीमध्ये तरतुद नाही. अभिन्यासामध्ये किमान आवश्यक पार्किंग दाखविणे बंधनकारक आहे.</p> <p>इमारतीत केलेले बदल विकास नियंत्रण नियमावलीच्या तरतुदीनुसार असल्यास वर नमूद केल्यानुसार गुन्हा क्षमापन शुल्क आकारून व वापर परवानापूर्वी पूर्तता करावयाच्या बाबींची पूर्तता केल्यास वापर परवाना प्रमाणपत्र अदा करता येते.</p> |
|----|--|---|



|    |  |  |
|----|--|--|
| ३. | ३) विकास नियंत्रण नियमावलीनुसार मंजुर ले आऊट मध्ये कुंपण भिंतीपासुन सामासिक अंतर कमी सोडले असल्यास दंड आकारुन बांधकाम नियमानुकूल करता येते का ? कोणत्या नियम व कलमानुसार ? किती दंड आकारण्यात येतो ? | विना परवानगी केलेले बांधकाम विकास नियंत्रण नियमावलीनुसार असल्यास मुद्दा क्र. २ मध्ये नमूद केल्यानुसार गुन्हा क्षमापन शुल्क आकारुन नियमानुकूल करता येते.<br><br>विकास नियंत्रण नियमावलीमध्ये नियम क्र. २३ (२) नुसार सवलत देण्याबाबतचे अधिकार मा.आयुक्त सो., यांना असून, विशिष्ट प्रकरणामध्ये hardship निर्माण होत असल्यास काही बाबींकरिता (FSIशी निगडीत बाबी वगळता) सवलत देता येते. सदर नियमा अंतर्गत मोकळ्या जागामध्ये सवलत देता येते. |
| ४. | जकात कर रद्द होऊन एल.बी.टी. लागू झाला. त्या दिवसापर्यंत बांधकाम व्यावसायिकांनी पूर्ण केलेल्या कामाची नोंद अचुक रित्या कोणत्या खात्यातर्फे ठेवण्यांत आली ?  | सदरची माहिती / बाब स्थानिक संस्था कर विभागाशी संबंधित नाही.  |
|    | त्या तारखेचे पूर्ण झालेल्या कामाचे फोटो व्यावसायिकांनी खात्यास सादर केले कां ?   | सदरची बाब नाही   |
|    | त्या तारखेपर्यंत त्यांनी आयात केलेल्या मालाची नोंद कोठे व कशी करण्यांत आली आणि त्याची प्रत्यक्ष जागेवर पाहणी करण्यांत आली होती कां ?   | सदरची बाब नाही.  |
|    | याचा पूरावा म्हणुन कोणत्याही एका बांधकाम व्यावसायिकांचे दफतर सादर करावे  | सदरची बाब नाही   |

सही/-

सहायक संचालक नगर रचना,  
उप आयुक्त, स्थानिक संस्था कर विभाग,  
ठाणे महानगरपालिका, ठाणे



**प्रश्न क्रमांक २ :-**

सन्मा.सदस्य श्री. रामभाऊ तायडे यांनी दि. ५.१.२०१५ रोजीच्या पत्रान्वये विचारलेल्या प्रश्नांची उत्तरे खालीलप्रमाणे.

| अ.क्र | प्रश्न   | उत्तर   |
|-------|--|---|
| १.    | उपवन फेस्टीवलकरीता ठामपाच्या माध्यमातून किती खर्च करण्यात आला होता? तो खर्च कोणत्या स्वरूपाच्या कामासाठी करण्यात आला होता तसेच या खर्चांमध्ये केलेल्या कामांची ठिकाणे कोणती? त्या कामाकरीता जबाबदार असलेल्या अधिका-यांची नावे व हुद्दे काय? त्या कामाच्या निविदा काढण्यात आल्या होत्या का? याबाबत माहिती विचारलेली आहे?  | <p>उपवन फेस्टीवलसाठी केलेला खर्च रु. १,९८,९९,२८८/- एवढा करण्यात आला आहे. या कामी मा. आयुक्त सो. यांनी दि. ०६/०१/२०१४ रोजी मान्यता दिली आहे. तसेच प्रकरणी मा. महासभा ठराव क्र. ४३९, दि.२४/०१/२०१४ अन्वये मान्यता प्राप्त झाली आहे. तसेच मा. स्थायी समिती ठराव क्र. ३१३९, दि.२२/०१/२०१४ अन्वये मान्यता प्राप्त असून त्यानुसारच कामे करण्यात आली आहेत.</p> <p><b>केलेली कामे :-</b></p> <ol style="list-style-type: none"> <li>१. जनपथ बांधणे - येऊर गेट ते कोकणीपाडा १७३३ मी.</li> <li>२. पोखरण रस्ता क्र. ०२ ते तलावामागील मैदानापर्यंत डांबरी रस्ता तयार करणे. - १३२ मी.</li> <li>३. उपवन मुख्य गेट ते गणेश मंदिर रस्ता - ८० मी.</li> <li>४. पालायदेवी मंदिराजवळील पार्किंग / विसर्जन व्यवस्थेच्या जागी डांबरीकरण. - २८० मी.</li> <li>५. तलावापासून खाली उतरण्यासाठी पायऱ्या - ५ ठिकाणी.</li> <li>६. तलावामागील मोकळ्या जागेत मैदान तयार करणे. - १२००० चौ.मी.</li> <li>७. उपवन तलावाकडे जाणारे रस्ते / झाडे / रंगरंगोटी. - ८०८० चौ.मी.</li> </ol> <p><b>८. संबंधित अधिकारी -</b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>- नगर अभियंता - श्री. के. डी. लाला</li> <li>- उपनगर अभियंता - श्री. रतन अवसरमोल</li> <li>- कार्यकारी अभियंता - श्री. नितीन म. पवार</li> <li>- उप अभियंता - श्री. किशोर गोळे</li> <li>- कनिष्ठ अभियंता - श्री. भिमराव गव्हाणे</li> </ul> <p>९. सदरचे काम वर्तकनगर प्रभाग समिती क्षेत्रातील विविध रस्त्यांचे डांबरीकरण व पुर्नपृष्ठीकरण करणे (पॅकेज-VI) या निविदेतून करण्यात आले आहे.</p> |
| २.    | उपवन तलाव परिसर बी.ओ.टी. तत्वावर घेतलेल्या संस्थेचे नाव व त्या संस्थेचे नाव व त्या संस्था मालकाचे नाव काय? बी.ओ.टी. करिता ठामपाने केलेल्या करारनाम्याप्रमाणे त्या संस्थेने किती रक्कमेची कामे करावयाची होती. त्याप्रमाणे त्या संस्थेने करावयाची कामे कोणती व ती ठिकाणे कोणती त्या कराराप्रमाणे संस्थेने आजपर्यंत केलेली व बाकी असलेली कामे कोणती ती कामे करण्याचा कालावधी किती होता. त्या संस्थेने करावयाच्या कामाच्या ठिकाणी उपवन फेस्टीवल आयोजनाच्या वेळी केलेली कामे कोणती त्या संस्थेकडून दंड वसूल करण्यात आला आहे का? | <p>उपवन तलाव BOT तत्वावर (निगा, देखभाल व सुशोभिकरणासाठी २५ वर्षे कालावधीसाठी) मे. शिवाई ग्राम विकास प्रतिष्ठान, ठाणे यांना दि. १४.०२.२००६ रोजीच्या करारनामा अन्वये देण्यात आलेला आहे. सदर संस्थेचा पत्ता, चेअरमन सौ. निर्मला शिवाजी भोसले, ६४/९ संताजी महाराज सोसायटी, शिवाई नगर, पोखरण रोड नं.१, ठाणे ४००६०६ या प्रमाणे आहे.</p> <p>करारनामा अट क्र.३३ नुसार ठेकेदाराकडून बोटींग, फिशिंग, संरक्षक भिंत बांधणे, टॉयलेट बांधणे, हेरीटेज पार्क, खुले लॉन, नर्सरी, किड्स सिटी, टीन एजर्स, पार्क, पॅव्ढ फुड काऊंटर, आईस्क्रीम स्टॉल, म्युझीकल फाऊंटेन इत्यादी सुविधा आहेत.</p> <p>सदर संस्थेला उपवन तलाव व परिसर सि.स.नं. १९७, पार्ट (डि.पी.) प्रमाणे एकुण क्षेत्र ७३,२०० चौ.मी. त्यातले पाण्याचे क्षेत्र ५९,८०० चौ.मी. व बाजूचे जमिनीचे क्षेत्र ८१,४०० चौ.मी. त्यापैकी महापौर बंगला व कॅटीन वगळून ठाणे महानगरपालिका तलाव क्षेत्र विकसित करणेस व सुशोभीत करणेस दिलेले आहे.</p> <p>सदर कामासाठी त्यांनी २,००,००,०००/- (दोन कोटी) भांडवली खर्च तयार करावयाचा आहे. करारनाम्यानुसार पहिल्या त्रैवार्षिक भाडेपोटी रक्कम रु.२,५८,०००/- इतकी वार्षिक रक्कम अदा करावयाची आहे. तसेच पुढील प्रत्येक त्रैवार्षिक करिता १५% भाडेवाढ आहे. तसेच भाड्याच्या १०% बँक गॅरंटी द्यावयाची आहे. सदर कामाचा कालावधी ५ वर्षे आहे.</p>  |

|  |  |   |
|--|--|---|
|  |  | <p>सदर संस्थेने बँक गॅरंटी दिलेली असून कालावधी २०१९ पर्यंत आहे. संस्थेची मागील वर्षाची थकबाकी भाडेपोटी रु.३,७३,७४२/- इतकी आहे. संस्थेने पत्र दि.०७.०७.२०१४ आ.क्र. १५८०० अन्वये खालील कामे झाली असून त्याचा खर्च रु.२,२४,१९,२७६ झाला आहे असे कळविले आहे व त्याचे ऑडीट करण्याचे मागणी केलेली आहे.</p> <p>तलाव व परिसर साफसफाई, तलाव आतील बाजूस पीचींगची दुरुस्ती, पावसाळ्यात ओव्हर फ्लो करिता नवीन अरेंजमेंट करणे, तलावातील गाळ काढणे, तलावाच्या बांधावरील मोठ्या झाडांना बुंध्याशी भर टाकणे, तलावाच्या सभोवती लोखंडी ग्रील लावणे, तलावाच्या संरक्षक भिंतीची दुरुस्ती करणे, जॉर्गींग ट्रॅक तयार करून त्यावर चेकर्स टाईल्स लावणे, नवीन जेट्टी तयार करणे, मोकळ्या आणि दलदलीच्या भागात माती व मुरुम भरणी करून लेवर्लींग व लॉन करणे, नवीन एक टॉयलेट ब्लॉक तयार करणे, फुडकोर्ट एरियासाठी चार किऑस्क तयार करणे, नवीन विद्युत कनेक्शन व इलेक्ट्रोफिकेशन, दगडाची नवीन कंपाऊंड वॉल बांधणे, बांधकाम करणे, पाण्यासाठी नवीन नळाचे कनेक्शन करणे, प्लँटेशन - नारळ पाम, बोगनवेल, विविध झाडे, साईट ऑफिस अरेंजमेंट, जेटी बांधकाम व स्टील रेलींग, जेटीवरील इलेक्ट्रीक मीटर व केबल, साफसफाई व दैनंदिन खर्च, उपवन देवळाशेजारील गेट, उपवन जेटवरील फुड स्टॉल, उपवन जेटीवरील शहाबादी लादी, STP व UG टँक, डेट पाम प्लँटेशन, सर्व्हे करून घेण्यासाठी ठामपाला दिलेले पैसे सद्यस्थितीतील सकृत दर्शनी फाऊंटन, खुले लॉन याचे काम राहिलेले आहे.</p> <p>उपवन फेस्टीवलसाठी करण्यात आलेले कोणतेही काम प्रदूषण नियंत्रण विभागाकडून प्रस्तावीत करण्यात आलेले नाहीत. त्यामुळे त्याबाबतची माहिती प्रदूषण नियंत्रण कक्षाकडे उपलब्ध नाही.</p>  |
| <p>३. उप अभियंता मंगेश गिते यांच्यावर पाणी पुरवठा टँकरच्या अनियमितता प्रकरणी सुरु असलेल्या चौकशीची सद्यस्थिती काय आहे. ती चौकशी कोणाच्या माध्यमातून सुरु आहे. त्या चौकशी मधील अनियमितता ही त्यांना देण्यात आलेल्या अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता पदाअंतर्गत येते का. असल्यास त्या चौकशीमध्ये कर्तव्य कसूर व अधिकाराचा गैरवापर केल्याचा ठपका ठेवण्यात आला आहे तसेच ती चौकशी सुरु असल्याने त्यांची पदोन्नती होवू शकते का?</p> |  | <p>श्री. मंगेश गिते, हे कार्यकारी अभियंता या पदावर पाणी पुरवठा विभागात कार्यरत असतांना महानगरपालिका क्षेत्रात टँकरने पाणी वितरणाबाबत त्यांचेकडून घडलेल्या अनियमितते प्रकरणी त्यांचेविरुद्ध विभागीय चौकशी आदेशीत करण्यात आली आहे. सदर चौकशी, चौकशी अधिकारी श्री. श्रीरंग मोरे, सहाय्यक पोलीस आयुक्त (से.नि.) यांचेकडे सुपुर्त करण्यात आली होती. तथापि, चौकशी अधिकारी श्री. मोरे यांचे निधन झाल्याने सदरची चौकशी, चौकशी अधिकारी श्री.एस.एल. कुलकर्णी, भा.प्र.से.(से.नि.) यांचेकडे सद्यस्थितीत सुरु आहे.</p> <p>श्री. मंगेश गिते, कार्यकारी अभियंता यांचेविरुद्धचे विभागीय चौकशीत त्यांचेवर खालील दोषारोप ठेवण्यात आलेले आहेत.</p> <p><b>दोषारोप क्र. १</b> : ठाणे महानगरपालिका क्षेत्रात टँकरने पाणी पुरवठा करणेबाबत निश्चित केलेल्या दरा संदर्भातील मा. महासभा ठराव क्र. १०२/अ दिनांक ७/८/२००३ ची अंमलबजावणी करण्यास महापालिका आयुक्त यांचे मान्यतेची कागदपत्रे उपलब्ध न झाल्याने टँकर पाणी पुरवठ्याची रु.२००/- प्रमाणे आकारणी प्रशासनाच्या मान्यतेने करणेत येत नसल्याचे आढळते. त्यामुळे ही गंभीर अनियमितता असून त्यास आपणांस जबाबदार धरण्यात येत आहे.</p> <p><b>दोषारोप क्र. २</b> : दि. १/१/२००९ ते दि. ३०/६/२०१० या कालावधीत मा. महासभा ठराव क्र. ५०१ दि.२७/३/२००३ अन्वये खाजगी टँकर प्रती फेरा रु.३५०/- प्रमाणे वसूल करणे आवश्यक असताना त्याऐवजी रु.२००/- प्रमाणे वसूल केले. या कालावधीत रक्कम रु.८,३३,१००/- इतकी कमी वसुलीस आपणांस जबाबदार धरण्यात येत आहे.</p> <p><b>दोषारोप क्र. ३</b> : सन २००३-०४, २००४-०५, २००५-०६ या कालावधीमधील मा.महासभा ठराव क्र. ५०१ दि. २७/३/२००३ अन्वये टँकरने पाणी पुरवठ्यापोटी रक्कम वसूल करणे आवश्यक होते. तथापि, उक्त कालावधीसाठी रु.२००/- प्रती फेरा वसुली करण्यात आल्यामुळे, त्याचप्रमाणे सन २०१०-११ या कालावधीसाठी दर वाढ न सुचविल्यामुळे महापालिकेचे रक्कम रु.२०,३६,९००/- चे आर्थिक नुकसानीस आपण जबाबदार आहात. टँकरने पाणी पुरवठा करणेसाठीच्या दरात वाढ करणेबाबत आपण प्रस्ताव सादर केला नाही. त्यामुळे महापालिकेस झालेल्या आर्थिक नुकसानीबाबत आपणांस जबाबदार धरण्यात येत आहे.</p> |



## प्रश्न क्रमांक ३ :-

सन्मा.सदस्य श्री. मनोहर डुंबरे यांनी दि. ५.१.२०१५ रोजीच्या पत्रान्वये विचारलेल्या प्रश्नांची उत्तरे खालीलप्रमाणे.

| अ.क्र. | प्रश्न   | उत्तर  |
|--------|--|--|
| १      | ठराव क्र. १९४ दिनांक १२/०९/२००७ हा कोणत्या कारणास्तव विखंडीत करणेसाठी शासनाकडे पाठविण्यात आला होता याची सविस्तर कारण मिमांसा देण्यात यावी.   | <p>अप्पर पोलीस महासंचालक, ॲन्टी करप्शन ब्युरो, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई यांनी त्यांचे पत्र क्र. सीआर / १५४ / ठाणे / २००६ / ५५०८ दि. १०/७/०६ अन्वये श्री.सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता व श्री. रामकृष्ण किसन पाटील, आरेखक यांचेविरुद्ध न्यायालयात अभियोग दाखल करणेसाठी मंजूरी मिळणेबाबत विनंती केली आहे.</p> <p>मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५३ अन्वये मा. न्यायालयात दोषारोपपत्र पाठविण्यास मा. महासभेची मान्यता आवश्यक असल्याने श्री. रावळ व श्री. पाटील यांचे प्रकरणी मा. न्यायालयात अभियोग दाखल करणेसाठी प्रकरण मा. महासभेसमोर सादर करण्यात आले.</p> <p>मा. महासभेने ठराव क्र.१९४ दिनांक १२/९/२००७ अन्वये " समितीचा अहवाल व महासभेतील चर्चेच्या अनुषंगाने सन्मा. लोकप्रतिनिधींचे एकंदर मत व चर्चेचा रोख व सादर केलेले पुरावे पाहता श्री. सुभाष रघुनाथ रावळ, कार्यकारी अभियंता यांची विभागीय चौकशी करण्यात यावी व त्यांचेविरुद्ध न्यायालयात अभियोग दाखल करण्यात येऊ नये व त्यांना त्वरित कामावर हजर करून घेण्यात यावे आणि श्री. रामकृष्ण किसन पाटील, आरेखक, शहर विकास विभाग यांचेविरुद्ध मा.न्यायालयात दोषारोपपत्र दाखल करण्यात यावे असे ही सर्वसाधारण सभा ठरवित आहे " असा ठराव पारित केला आहे.</p> <p>श्री. रामकृष्ण किसन पाटील, आरेखक यांचेविरुद्ध मा. न्यायालयात अभियोग दाखल करणेस आदेश क्र. ठामपा / कार्मिक / आयुक्त - २६८२ दि. ०१/०९/२००८ अन्वये मंजूरी देण्यात आली आहे.</p> <p>मा. महासभेने श्री. रामकृष्ण किसन पाटील, आरेखक, शहर विकास विभाग यांचेविरुद्ध मा. न्यायालयात दोषारोपपत्र पाठविणेस मान्यता दिलेली आहे. तथापि, या दोन्ही अधिका-यांविरुद्ध मा. न्यायालयात दोषारोपपत्र पाठविणेस मान्यता देणे आवश्यक असल्याने मा. महासभेने प्रशासनाच्या प्रस्तावानुसार ठराव पारित केलेला नाही हे विचारात घेता सदरचा महासभा ठराव क्र. १९४ दिनांक १२/९/२००७ हा मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ४५१ मधील तरतुदीनुसार विखंडीत करण्याचा प्रस्ताव शासनास कार्यालयीन पत्र क्र. ठामपा / आयुक्त / पऑ / १०५२ दिनांक ३/६/२०१० अन्वये पाठविण्यात आला आहे..</p> |
| २      | ठराव क्र. १९४ दिनांक १२/०९/२००७ विखंडीत करणे संबंधी महाराष्ट्र शासनाने कोणता निर्णय प्रशासनास कळविलेला आहे. त्यानुसार प्रशासनाने ठरावाची अंमलबजावणी केली आहे का? अंमलबजावणी केली असल्यास त्यानुसार कोणकोणते कार्यालयात आदेश पारित केलेले आहेत त्याची माहिती मिळावी, अंमलबजावणी केली नसल्यास त्या मागील कारणमिमांसा देण्यात यावी. | <p>सदर प्रकरणी मा. आयुक्त / उप आयुक्त यांनी दि. २४/३/२००९ रोजी दिलेल्या सुचनेनुसार मा.महासभेने पारित केलेला ठराव क्र.१९४ दिनांक १२/९/२००७ शासनाकडे विखंडीत करण्यासाठी दि.३/०६/२०१० रोजी पाठविण्यात आला.</p> <p>शासनास कार्यालयीन पत्र क्र. ठामपा / कार्मिक / आयुक्त / २६८३ दि. १/९/०८ अन्वये लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाकडील प्राप्त कागदपत्रे, मा. महासभा ठराव, इतिवृत्त इ. बाबी विचारात घेऊन प्रकरणी शासनाने पुढील कार्यवाहीबाबत आदेश निर्गमित करावे याबाबत मा. प्रधान सचिव, नगर विकास विभाग यांचेकडे विनंती केली आहे.</p> <p>नगर विकास विभागाकडून ठामपा - २००८ / ९३३ / प्र.क्र. २४८ / नवि-२३, नगर विकास विभाग दि.१३/१०/२००८ अन्वये कार्यासन अधिकारी, महाराष्ट्र शासन यांनी श्री. रावळ यांचे प्रकरणासंदर्भात आपणांस शासनाकडून कोणती कार्यवाही अपेक्षित आहे हे स्पष्ट होत नाही. तरी शासनाचे आदेश हवे असल्यास त्याबाबतचा सुस्पष्ट अहवाल शासनास सादर करणेबाबत व तूर्त सदर प्रकरण शासन स्तरावर दप्तरी दाखल करण्यात येत असल्याबाबत कळविण्यात आले आहे.</p>   |

|          |   |  |
|----------|---|--|
| <p>३</p> | <p>कार्यालयीन आदेश क्र. ६२५ दिनांक ३०/४/२०११ हा महासभा ठराव क्र. १९४ दिनांक १२/९/२००७ च्या अमलबजावणीच्या अनुषंगाने काढलेला आहे का? किंवा शासनाच्या निर्देशानुसार काढलेले आहे</p>  | <p>श्री. सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता (बांधकाम), ठाणे महानगरपालिका, ठाणे यांनी दिनांक १०/६/२०१० रोजी अनुक्रमे शासनाकडे निवेदन सादर केले. सदर निवेदनाच्या अनुषंगाने शासनाने पत्र क्र. विभाचौ-ठामपा-२०१/प्र.क्र. २६७/नवि-२३ दि. १३/८/२०१० अन्वये स्वयंस्पष्ट अहवाल सादर करणेबाबत कळवले.</p> <p>श्री. रावळ यांनी सादर केलेल्या निवेदनातील मुद्द्यांच्या अनुषंगाने दि. ३/८/२०१० रोजी शासनास वस्तुस्थितीनिष्ठ अहवाल सादर करण्यात आला असता मा. आयुक्त सो. यांचे आदेशान्वये श्री. सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता यांचेविरुद्ध पुढील कारवाई करणेसाठी कोणतेही कारणे निदर्शनास येत नसल्याने मा. महासभा ठराव क्र. १९४ दिनांक १२/९/२००७ अन्वये घेतलेल्या निर्णयानुसार पुढील कार्यवाही करण्यात येत असल्याचे शासनास या कार्यालयाचे पत्र क्र. ठामपा / कार्मिक/ आयुक्त - ८६० / ३२५० दिनांक ८/१०/२०१० अन्वये कळविण्यात आले.</p> <p>त्यानुसार श्री. सुभाष रघुनाथ रावळ, कार्यकारी अभियंता, शहर विकास विभाग यांचेविरुद्धची प्रस्तावित विभागीय चौकशी मागे घेण्यात येत असून प्रकरणी त्यांचा निलंबन कालावधी हा सेवा कालावधी धरण्यात येत असल्याबाबत कार्यालयीन आदेश क्र. ठामपा / कार्मिक / आयुक्त - ६२५ दि. ३०/४/२०११ निर्गमित करण्यात आला आहे .</p>   |
| <p>४</p> | <p>मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे सुधारीत तरतूद कलम ५९(क) अन्वये दिनांक २४/१/२०१३ रोजी देण्यात आलेला मंजूरी आदेश प्रकरणाशी संबंधित असलेली कागदपत्रे न तपासताच दिलेली आहे. जर कागदपत्र तपासून दिलेली असल्यास कोणती कागदपत्रे तपासली याची सविस्तर माहिती मिळावी.</p> | <p>शासन पत्र क्र. ठामपा-२११२/ प्र.क्र. १९३२/ नवि-२३ दिनांक ०९/०५/२०१२ अन्वये लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाच्या प्रकरणी मा. न्यायालयात अभियोग दाखल करण्यास परवानगी देण्याबाबत प्रलंबित असलेल्या प्रकरणांची मा. मुख्य सचिव यांचे अध्यक्षतेखाली दि. १०/५/२०१२ रोजी आढावा बैठक आयोजित करण्यात आल्याचे कळवून श्री.सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता, यांचे प्रकरणी माहिती मागविण्यात आली होती. त्यानुसार कार्यालयीन पत्र क्र. ठामपा/ कार्मिक/ उपआ(मु)/ आयुक्त-३८ दि. ०९/०५/२०१२ अन्वये श्री. सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता व श्री. रामकृष्ण के. पाटील, आरेखक यांचे प्रकरणी उक्त नमूद बाबी कळविण्यात आल्या.</p> <p>उक्त बैठकीच्या अनुषंगाने शासनाने पत्र क्र. ठामपा /२११२/१९३२/प्र.क्र. २००/ नवि-२३ दिनांक १०/५/२०१२ अन्वये महानगरपालिकेचे अधिकारी व कर्मचारी यांचेवर खटला भरणेस मंजूरी देणे संदर्भात मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे सुधारीत तरतूद कलम ५९(क) अन्वये, आयुक्त, ठाणे महानगरपालिका यांनी सदर प्रकरणी कार्यवाही करणेबाबत कळविले आहे. अधिनियमातील तरतूद खालील प्रमाणे</p> <p>महाराष्ट्र शासन राजपत्र, मंगळवार ऑगस्ट १६,२०११ चे सुधारीत आदेशानुसार मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे ५९(क) अन्वये " कलम ५३ किंवा या अधिनियमाच्या अन्य कोणत्याही तरतुदींमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, महानगरपालिकेच्या कोणत्याही अधिका-यांवर किंवा कर्मचा-यांवर खटला भरण्याची मागणी पोलीसांकडून किंवा अन्य कोणत्याही शासकीय अभिकरणाकडून करण्यात आली असेल तर त्यास मंजूरी देण्यास आयुक्त सक्षम असेल. आयुक्त अशा कोणत्याही कार्यवाहीच्या मंजूरीची माहिती महानगरपालिकेच्या पुढील सभेमध्ये महानगरपालिकेला कळवील"</p> <p>उक्त नमूद अधिनियमातील तरतुदीप्रमाणे तसेच १) पोलीस निरीक्षक, लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग, ठाणे यांचे श्री. सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता व श्री. रामकृष्ण किसन पाटील, आरेखक, ठाणे महानगरपालिका, ठाणे यांचेविरुद्ध नौपाडा पोलीस स्थानकात गुन्हा रजिस्टर क्र. ॥ ६८/२००५ लाचलुचपत प्रतिबंधक कायदा सन १९८८ चे कलम ७,१२,१३(१)(ड) सह १३(२) अन्वये दिनांक १६/०५/०५ रोजी गुन्हा दाखल झाल्याबाबत तसेच दोन्ही आरोपीत यांना अटक करण्यात आल्याबाबतचे पत्र क्र. ऐसीबी / ठाणे / व्हिक्जिजे / १०७ / २००५ दि. १८/५/०५ २) नौपाडा पोलीस स्टेशन गुन्हा रजिस्टर क्र. ॥ ६८/२००५ लाचलुचपत प्रतिबंधक कायदा सन १९८८ चे कलम ७,१२,१३(१)(ड) सह १३(२) अन्वये दिनांक १६/०५/०५ अन्वये गुन्हाचे तपास कागदपत्र (सीआर/१५४/ठाणे/२००५) ३) लाचलुचपत विभागाकडील पत्र क्र. ऐसीबी/ सीआर/ १५४ / ठाणे २००६ / ५५०८ दि. १०/७/२००६ ४) शासनाकडील पत्र क्र. ठामपा २११२ / १९३२/ प्र.क्र. २००/ नवि-२३ दिनांक १०/०५.२०१२. ५) लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाकडील पत्र क्र. ऐसीबी/ ठाणे / व्हीवायसी / २०१२/ २०१ दिनांक १/०८/२०१२ विचारात घेऊन श्री. सुभाष रावळ, कार्यकारी अभियंता यांचेविरुद्ध मा.न्यायालयात अभियोग दाखल करणेचा मंजूरी आदेश क्र. ठामपा/कार्मिक/आयुक्त - ८६९/६०११ दिनांक २४/०१/२०१३ अन्वये मा. महासंचालक. अॅन्टी करप्शन ब्युरो, महाराष्ट्र राज्य, मुंबई यांचे कार्यालय यांचेकडे पाठविण्यात आलेला आहे. सदर बाब कक्ष अधिकारी, नगर विकास विभाग, नवि-२३ यांना पत्र क्र. ठामपा / कार्मिक / उपआ(मु) - ८७६/६०५५ दि. २९/१/२०१३ अन्वये कळविण्यात आली आहे. मा. महापालिका आयुक्त व शासन यांच्या मान्यतेने व आदेशान्वये प्रकरणी कार्यवाही करण्यात आलेली आहे.</p> <p>मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे ६७(३) अन्वये अधिनियमाच्या तरतुदीची अमलबजावणी करण्याच्या प्रयोजनार्थ कार्यकारी अधिकार महापालिका आयुक्त यांचेकडे निहित आहेत.</p> |

सही/-

कार्मिक अधिकारी,

ठाणे महानगरपालिका,ठाणे.



**प्रश्न क्रमांक ४ :-**

सन्मा.सदस्य श्री. राजन किणे यांनी दि. ५.१.२०१५ रोजीच्या पत्रान्वये विचारलेल्या प्रश्नांची उत्तरे खालीलप्रमाणे.

| अ.क्र | प्रश्न   | उत्तर  |
|-------|--|--|
| १     | १. ठाणे मनपा हद्दीमध्ये TP योजना कोणत्या साली मंजूर करण्यात आली त्या योजनेमध्ये जे भूखंड ताब्यात देण्यात आले आहेत, व जे भूखंड ताब्यात देणे शिल्लक आहेत ती संपूर्ण यादी देण्यात यावी. तसेच त्या योजनेमध्ये ज्या भूखंड धारकांनी त्यांचे मुळ भूखंड ताब्यात दिले आहेत ती देखील यादी देण्यात यावी?  | ठाणे महानगरपालिका हद्दीमध्ये नगर रचना योजना क्र. १, ठाणे ही दि. ०१/०१/१९८५ रोजी मंजूर करण्यात आलेली आहे. या योजनेमध्ये अंतिम भूखंडांची एकूण संख्या ५०१ इतकी आहे. त्यापैकी ३९ अंतिम भूखंड सार्वजनिक वापरासाठी व १६ भूखंड महाराष्ट्र शासनाचे मालकीचे आहेत. अन्य खाजगी व्यक्तित्वाच्या मालकीच्या ४४६ इतक्या अंतिम भूखंडांपैकी १९९ अंतिम भूखंडांचा ताबा ठाणे महानगरपालिके मार्फत देण्यात आलेला आहे. याबाबतची विस्तृत माहितीची नोंद असलेल्या रजिस्टरची छायांकित प्रत सन्मा.नगरसेवक यांना कार्यालयात उपलब्ध करून देण्यात येईल. |
| २     | २. शहर विकास विभागाच्या माध्यमातून विकासकांना नकाशे मंजूर करतेवेळी सी.सी. मध्ये देण्यात येणा-या अटीमध्ये नोंदणीकृत करारनामे सादर करण्याचे नमुद असते ती नोंदणी दुय्यम निबंधक यांच्याकडे केलेली असली पाहिजे का तशा अटीसंदर्भात विकासकाने नोटरी केलेले करारनामे सादर केले तर ते नोंदणीकृत करारनामे सादर केले तर ते नोंदणीकृत करारनामे सादर केले तर ते नोंदणीकृत करारनामे आहेत असे गृहीत धरण्यात येतात का? | शहर विकास विभागामार्फत नकाशे मंजूर करताना सी.सी. मध्ये नोंदणीकृत करारनामे सादर करण्याची अट नमूद असल्यास विकासक यांनी दुय्यम निबंधक यांचेकडे नोंदणी केलेले करारनामे सादर करणे आवश्यक आहे. या अटीसंदर्भात विकासकाने नोटरी केलेले करारनामे सादर केल्यास ते ग्राह्य धरण्यात येत नाहीत.   |
| ३     | ३. शहर विकास विभागाने नकाशे मंजूर केले नसतांना वास्तूविशारद याने खोटा नकाशा तयार करून विकासकाने त्या बांधकामाची विक्री करण्यासाठी ठामपाच्या CC व OC चा वापर केला तर त्या वा.वि. व विकासकावर कोणत्या स्वरूपाची कारवाई ठा.म.पा. करू शकते ती जबाबदारी कोणाची असते.  | शहर विकास विभागाने नकाशे मंजूर केले नसतांना वास्तूविशारद याने खोटा नकाशा तयार करून विकासकाने त्या बांधकामाची विक्री करण्यासाठी ठामपाच्या CC व OC चा वापर केला तर त्या वा.वि. व विकासकावर सक्षम प्राधिकरणामार्फत कार्यवाही अपेक्षित आहे.  |
| ४     | ४. नकाशे मंजूर करतांना एखाद्या भूखंडालगत बफर झोन असल्यास त्या झोनपासून २२.५ मी. अंतर सोडणे बंधनकारक असते का? अशा भूखंडालगत बफर झोनमध्ये रुपांतर झाले नसेल तर ते अंतर कायम ठेवण्यात येते का?  | मंजूर विकास नियंत्रण नियमावलीतील नियम क्र. N.१.२.८ (b) च्या तरतुदीनुसार औद्योगिक वापराची इमारत रहिवास वापरा पासून २२.५ मी. अंतरावर असणे आवश्यक आहे.  |



|    |   |  |
|----|---|--|
| ५. | ५. शहर विकास विभागाने मंजूर केलेल्या नकाशा प्रमाणे विकासकाने बांधकाम केले तरच वापर परवाना देण्यात येतो का? ती जबाबदारी कोणाची असते. तसेच वापर परवाना मिळेपर्यंत विकासकाच्या बांधकामासंदर्भात वास्तुविशारद यांची जबाबदारी असते का? | शहर विकास विभागाने मंजूर केलेल्या नकाशा प्रमाणे विकासकाने बांधकाम केले तरच वापर परवाना देण्यात येतो. वापर परवाना मिळेपर्यंत मंजूर नकाशानुसार बांधकाम करून घेण्याची जबाबदारी संबंधीत परवानाधारक वास्तुविशारद यांची आहे. |
|----|---|--|

सही/-

सहायक संचालक नगररचना  
ठाणे महानगरपालिका, ठाणे.

  
ठाणे महानगरपालिका ठाणे.

तहकूब सभा पुन्हा दुपारी २.१० वाजता सुरु होते.**मा. महापालिका सचिव :**

महापौर महोदय, आता आपण प्रश्नोत्तराचा तास सुरु करीत असुन सर्वप्रथम नोव्हेंबर महिन्याचे प्रश्न आता आपण सुरु करीत आहोत.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

महापौर महोदय, प्रश्नोत्तराचा तास सुरु करण्यापुर्वी महापौर महोदय आपण आत्ताच अर्ध्या तासापुर्वी या सभागृहामध्ये जी प्रथा नव्हती ती प्रथा आपण चालु करण्याबाबत सुतोवाच केले आहे. तरी याबाबत मी आपल्याला एवढीच विनंती करेन की जर अशा घटना घडल्या तर ही पध्दत आपण कायम ठेवणार आहोत कां?

**मा.महापौर साो.:**

परिस्थितीनुसार निर्णय घेण्यात येईल.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

महापौर महोदय, सभागृहात परिस्थितीनुसार निर्णय घेतले जात नाहीत.

**मा.महापौर साो.:**

सभाहाचा सेन्स बघुन निर्णय घेण्यात येईल. सभागृहाचा कल घेऊन निर्णय घेण्यात येईल.

**श्री.मनोज शिंदे :**

महापौर महोदय, सभागृहाचा कल नव्हेतर तुम्ही याठिकाणी निर्णय द्या की आपण कुठल्या पध्दतीचा निर्णय देणार आहात? उदया जर अशाचप्रकारचे कोणाचे दुःखद निधन झाले तर त्यावेळीसुध्दा आपण अशाचप्रकारे अर्धा तास सभा तहकूब करणार की पुर्णवेळ सभा तहकूब करणार हा एक नियम घालुन द्या व त्याप्रमाणे आपल्या महापौरकिर्दीमध्ये तो कायम राहिल.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

आम्ही आपल्या प्रत्येक निर्णयाचे स्वागत करतो. परंतू निर्णय घेताना परिस्थितीनुसार नको.

**श्री. दशरथ पालांडे :**

महापौर महोदय या सभागृहामध्ये एक सदस्य बोलत असताना एकदम जर तीन ते चार सदस्यांनी बोलण्यास सुरुवात केली तर एखादा सदस्य चांगले बोलत असेल तर ते सुध्दा आम्हाला या गोंधळामुळे समजत नाही. तरी मी विनंती करेन की या सभागृहात शिस्त पाळण्यात यावी.

**श्री.नजिब मुल्ला :**

महापौर महोदय, अर्ध्या तासापुर्वी सन्मा.सदस्य श्री.राजे यांनी एक चांगली सूचना केली व सभागृहाने त्या विषयाचे स्वागत केले.त्यावेळी आपण स्वतः सभागृहाला संबोधित करीत असताना सभागृहातील कामकाज तसेच सभागृहाची वेळ, शहरातील बरेच प्रश्न यानुषंगाने " यापुढे "असा शब्द वापरला व असा शब्द वापरल्यानंतर अर्ध्या तासानंतर जेव्हा आपण जेवणाकरीता सुट्टी केली, व सुट्टी केल्यानंतर आपण " परिस्थितीनुसार" मग "यापुढे" या शब्दाचा अर्थ कांय होतो आणि "परिस्थितीनुसार" या शब्दाचा कांय अर्थ होतो?

  
महापौर  
श्री. नजिब मुल्ला

**मा.महापौर साो. :**

आपण चुकीचे बोलत आहात. मी सभागृहाचा कल बघुन असा निर्णय दिलेला आहे आणि यापुढे सुध्दा सभागृहाचा कल बघुनच निर्णय देणार आहे. आपण आता कृपया खाली बसावे. उगाच वेगळा विषय करु नका. मी आपल्याला विनंती करत आहे की, आपण खाली बसावे आणि प्रश्नोत्तराचा तास सुरु करण्यात यावा. मी निर्णय दिला असुन पुन्हा-पुन्हा त्या विषयावर चर्चा नको आहे. मला बोलण्याचा अधिकार आहे.

**श्री.नजिब मुल्ला :**

या सभागृहात प्रश्न विचारण्याचा माझा अधिकार आहे. एक पिठासिन अधिकारी अर्ध्या-अर्ध्या तासाने रुलिंग बदलत आहेत तरी हे प्रश्न विचारण्याचा माझा अधिकार आहे.

**श्री.मनोज शिंदे :**

आमच्या प्रश्नाचे उत्तर देण्यात यावे.

**मा.महापौर साो.:**

मी निर्णय दिलेला आहे.

**मा. महापालिका सचिव :**

आता आपण प्रश्नोत्तराचा तास सुरु करीत आहोत. सर्वप्रथम आपण नोव्हेंबर महिन्याचे प्रश्न घेत आहोत.

**श्री.मिलिंद पाटणकर :**

महापौर महोदय, नोव्हेंबरपासुनचे प्रश्न आहेत आणि मला वाटते तुम्ही प्रश्नोत्तरासाठी अर्धा तासच दयाल तरी ही वेळ पुरणार नाही, तरी तुम्ही मागच्या प्रश्नोत्तराकरीता अर्धा तास दया आणि यावेळेच्या प्रश्नोत्तराकरीता नियमाप्रमाणे अर्धा तास दया नाहीतर प्रश्नोत्तरे पुर्ण होणार नाहीत. आमचे कायम प्रश्न असेच राहतात. दोन्ही वेळेच्या प्रश्नोत्तराकरीता वेगवेगळा अर्धा तास देण्यात यावा. महापौर महोदय मी आपल्याला एक सूचना केली आहे की..,

**मा.महापौर साो.:**

मी सन्मा.सदस्य श्री.पाटणकर याना सांगतो की प्रत्येकवेळी वेळेअभावी सन्मा.सदस्यांचे प्रश्न राहतात त्यामुळे सभागृहाचाच निर्णय आहे की ज्या सदस्यांचे अगोदरचे प्रश्न राहिले आहेत त्यांना अग्रक्रम देण्यात यावा व त्याप्रमाणे अग्रक्रम देऊन आपण करीत आहोत. आणि हे आपल्या म्हणण्यानुसारच आपण करीत आहोत.

**श्री.मिलिंद पाटणकर :**

महापौर महोदय,त्यांनाअग्रक्रम देताना नोव्हेंबरआणि डिसेंबरमधील जे प्रश्न राहिले आहेत ते प्रश्न अर्ध्या तासात संपवा आणि अर्ध्या तासानंतर या महासभेतील प्रश्न घ्या नाहीतर पुन्हा ...

**मा.महापौर साो.:**

तोच अग्रक्रम ठेऊन आपण करणार आहोत. पहिला जो बॅकलॉग आहे तो अगोदर पुर्ण करु आणि मग कंटिन्यु करु.

**श्री.मिलिंद पाटणकर :**

महापौर महोदय कांही कांही प्रश्न असे असतात की त्या परिस्थितीला ते लागु असतात म्हणुन विचारलेले असतात आणि नंतर महिना दोन महिन्यांनी ते विषय लागु होत नाहीत. मग त्या प्रश्नोत्तरांला

कांय अर्थ राहिला? म्हणून मी सूचना करीत आहे. तुम्ही आत्ताच म्हणालात की परिस्थितीनुसार निर्णय घेण्यात येतील. आत्ताची परिस्थिती अशी आहे की नोव्हेंबरपासुनचे प्रश्न बाकी आहेत आणि नोव्हेंबर, डिसेंबर, जानेवारी या सगळ्या तीन तीन महिन्यांचे प्रश्न जर तुम्ही असे म्हणाल की सभागृहाने ते अर्ध्या तासात संपवले पाहिजेत तर ते शक्य होणार नाही. म्हणून मी सूचना करीत आहे की मागच्या दोन सभेतील प्रश्न तुम्ही पहिल्या अर्ध्या तासात संपवा आणि आत्ताच्या महासभेच्या प्रश्नासाठी नियमाप्रमाणे अर्धा तास वेगळा द्या. या सूचनेमध्ये वाईट कांय आहे?

**मा.महापौर साो. :**

आपण पहिला अर्धा तास देऊ आणि जर वेळ उरला नाहीतर मी याबाबत सांगतो.

**श्री.मिलिंद पाटणकर :**

आम्ही कांहीही सूचना केली तरी तुम्ही विचार करणार. हे असे होत चालले आहे.

**मा.महापौर साो.:**

अर्ध्या तासात जर सगळेच प्रश्न संपले तर कांही प्रश्न येत नाही.

**श्री.नारायण पवार :**

महापौर महोदय, वेळेत प्रश्नोत्तरे चालू करण्यात यावी.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

महापौर महोदय माझा एवढाच मुद्दा आहे की, आपण रुलिंग दिले. सभागृह हे परिस्थितीनुसार चालत नाही, सभागृहाला एक पॉलिसी असते, सभागृहाला कांही नियम असतात तरी आपण जर तसा नियम पाडत असाल तर परिस्थितीनुसार सभागृह चालत नाही. महापौर महोदय मी आपला वेळ घेत नाही मला फक्त एवढेच म्हणायचे आहे की आज शारदा पाटील यांचे दुःखद निधन झाले तर अशी पुन्हा दुर्घटना घडल्यास तर त्यावेळी आपली निश्चित कांय पॉलिसी असावी, आपण जर असे ठरवत असाल, आपल्या प्रत्येक सूचनेचे आम्ही स्वागत करतो परंतू ती सूचना परिस्थितीनुसार अंमलात न आणता ती सूचना कायमस्वरुपी असावी एवढीच आमची इच्छा आहे. तरी असे सांगा की हे कायमस्वरुपी असेल म्हणून.

**मा.महापौर साो.:**

मी आपल्याला तेच सांगितले की हा विषय भावुक असतो आणि त्यावर किती बोलायचे आणि बोलायचे नाही हा सदस्याचा अधिकार आहे. तरी आज सदस्यांनी सांगितले की आजच्यादिवशी एक वेगळा निर्णय घेऊया. सभागृहाने निर्णय दिला असुन त्याप्रमाणे ...

**मा.विरोधी पक्षनेते:**

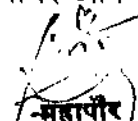
महापौर महोदय हा सभागृहाने दिलेला निर्णय नाही. हा आपण दिलेला निर्णय आहे. हा आमचा निर्णय नव्हता.

**श्री.नरेश मणोरा :**

महापौर महोदय, सन्मा.सदस्य श्री.गिरीष राजे यांनी जी सूचना मांडली आहे त्याप्रमाणे सर्व सदस्यांनी अर्ध्या तासाकरीता सभा तहकूब करण्यात यावी अशी सूचना केली आणि त्यावर आपण रुलिंग दिलेले आहे. तरी हे सभागृहाला मान्य झाले पाहिजे.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

सन्मा. मणोरा साहेब हे या सभागृहाचे माजी उपमहापौर आहात, जेष्ठ सदस्य आहात मी आपल्या निदर्शनास आणु इच्छितो की, याठिकाणी सूचना मांडण्यात आल्यानंतर आमचे सदस्य श्री.योगेश जानकर

  
महापौर

सो. महानगरपालिका कार्यालय

यांनी तशाप्रकारची सूचना मांडली की यापुढे अशाप्रकारचे करा. आणि त्यास सन्मा.सदस्य श्री.विक्रान्त चव्हाण यांनी अनुमोदन दिले आहे. मला आपण केल्याबद्दल कांही बोलायचे नाही, माझा मुद्दा फक्त एवढाच आहे की अशाप्रकारची पॉलिसी कायम ठेवणार किंवा नाही एवढाच मुद्दा आहे.

**श्री.नरेश मणोरा :**

महापौर महोदय, भविष्यामध्ये जर त्या परिस्थितीला अनुसरून अशी जर सूचना आली तर त्यावेळी सभागृह विचार करेल.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

माझे सुद्धा तेच म्हणणे आहे की असे असेलतर सभागृहाने एक पॉलिसी ठरवावी. यापुढे सभागृहाचा वेळ वाया जाऊ नये त्यामुळे काय असावे याबाबत पॉलिसी ठरविण्यात यावी एवढेच माझे म्हणणे आहे.

**श्रीमती मिनाक्षी शिंदे :**

महापौर महोदय, स्थायी समिती सदस्य असेलतर त्यावेळी सभा तहकूबी मांडली तर मला वाटते सर्व अॅक्सेप्ट करतील. परंतू माजी नगरसेवक म्हणून तुम्ही सभा तहकूबी मांडत असाल तर..,

**श्रीमती मनाली पाटील :-**

स्थायी समिती सदस्याला कांही वेगळे आहे का? प्रत्येक नगरसेवकाला तेवढाच मान असायला पाहिजे.

**श्रीमती मिनाक्षी शिंदे :**

महापौर महोदय, आपल्या कामकाजाचा आता जो आढावा चालला आहे, आज एवढ्या महासभा तहकूब झालेल्या आहेत आणि अशा वेळी तुम्ही जर गोंधळ करत असाल तर त्याला कांही अर्थ नाही.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

महापौर महोदय एवढ्या महासभा झालेल्या आहेत तरी मी स्वतः सांगतो की सभागृहाचा वेळ वाया जाऊ नये असे जर वाटत असेल तर महापौरांनी जे रुलिंग दिलेले आहे ती पॉलिसी करण्यात यावी.

**श्रीमती मिनाक्षी शिंदे:**

आम्हाला चालेल. भविष्यात जर माझे कधी निधन झाले तर माझ्यासाठी तहकूबी नाही मांडली तरी चालेल.

**श्री. विक्रान्त चव्हाण :**

महापौर महोदय, पालांडे ताई यांचे निधन झाले त्यावेळी सुद्धा आपण अशाचप्रकारे सभा तहकूब केली होती. तरी याठिकाणी माजी नगरसेविका आणि माजी नगरसेवक हा प्रश्न येत नाही, प्रश्न प्रथेचा आहे. आणि आता जर नविन प्रथा पाडायची असेलतर याबाबत आपण धोरणात्मक निर्णय घ्यावा. परिस्थितीनुसार सभागृहातील निर्णय बदलत नसतात. यापुढे सुद्धा अशा घटना घडतील तरी याबाबत तुम्ही सांगावे..

**श्रीमती नंदिनी विचारे :-**

महापौर महोदय श्रीमती पालांडे ताई यांचे जेव्हा दुःखद निधन झाले तेव्हा आपली सभा पुर्णवेळ तहकूब झाली नव्हती हे मी आपल्या निदर्शनास आणून देत आहे. आपण फक्त श्रध्दांजली वाहिली होती.

महापौर  
श्री. महानगरपालिका कार्य



**मा.विरोधी पक्षनेते :**

महापौर महोदय, आपल्या उपस्थितीत जर एक प्रथा पार पडत असेलतर ...,

**मा.महापौर साते.:**

मी तुम्हाला सांगितले आहे की हा निर्णय भावुक आहे तरी त्या त्यावेळी सभागृहाने निर्णय घ्यावा. सन्मा.विरोधी पक्षनेते आपण इतके वर्ष सभागृहात आहात तरी या विषयाला कोणतेही निकष नाहीत. या विषयाबाबत त्या व्यक्तीबद्दल आदर तसेच त्यांच्याबद्दल कोणाला किती बोलायचे हा विषय डिपेंड असतो. आणि सभागृहाने त्यात्यावेळी ठरवावे. तरी हे सभागृहाने ठरवायचे आहे.

**मा.विरोधी पक्षनेते :**

महापौर महोदय आमचे दोन सदस्य आले आहेत तरी त्यांचा सत्कार करण्यात यावा.

**मा.महापालिका सचिव :**

मा.महापौर महोदय, प्रभाग क्र.६१-अ ठाणे महापालिकेचे नवनियुक्त सदस्य श्री.अन्सारी साजिद महमंद युसुफ तसेच ६३- अ च्या नगरसेवीका श्रीमती शेख हसीना अब्दुल यांचा सभागृहाच्या वतीने या ठिकाणी सत्कार करण्यात येत आहे.

(मा. महापौर साते. व सर्व सन्मा. पदाधिकारी, गटनेते,मा.महापालिका आयुक्त यांचे उपस्थितीत पुष्पगुच्छ देऊन सत्कार करण्यांत येतो.)

**श्री.विक्रान्त चव्हाण :**

महापौर महोदय, सभागृह नेते यांच्या वॉर्डामध्ये वादळ झाले असून तेथील कांही घरांचे पत्रे उडाले आहेत. तरी आपण सर्वजण तेथील पाहणी दौरा करण्यासाठी जाऊया.याठिकाणी सन्मा.सदस्य वडवले यांनी ही माहिती दिली आहे,तरी याचे गांभिर्य लक्षांत घेता सदर ठिकाणी जाणे आवश्यक आहे.

मा.सचिव : सन्मा.सदस्य श्री.संजय घाडीगांवकर यांचा प्रश्न आहे.

**श्री.नजिब मुल्ला :**

महापौर महोदय,प्रश्नोत्तरे चालु करण्यापुर्वी आपण किती वाजता प्रश्नोत्तरे चालु करत आहोत याबाबतची वेळेची नोंद घेण्यात यावी. आता दुपारचे २.२५ झाले आहेत.

**श्री.संजय घाडीगांवकर :**

महापौर महोदय, आपली पहिली महासभा झाली त्यावेळी माझी पुर्वीची प्रलंबित प्रश्नोत्तरे होती आणि पिठासिन अधिकारी म्हणून सन्मा.हरिश्चंद्र पाटील जेव्हा विराजमान होते त्यावेळेचे माझे प्रश्न प्रलंबित असून ते आजही प्रलंबितआहेत. प्रत्येक वेळी पिठासिन अधिकारी विनंती करतात की प्रलंबित ठेवा पुढील महासभेत ही घेण्यात येतील. तरी आता माझे एकुण नऊ प्रश्नोत्तरे प्रलंबितआहेत. तरी आता तुम्ही सांगा की मी आता कुठले घेऊ?

**मा.महापौर साते. :**

आता आपण नोव्हेंबरचे प्रश्न घेऊ या.

**श्री.संजय घाडीगांवकर :**

ठिक आहे. आता जरी नोव्हेंबरचे प्रश्नोत्तरे घ्यायची झाल्यास तीसुध्दा अपुर्ण आहेत आणि यावर मी जर अर्धा तास चर्चा करत राहिलो तर इतर सन्मा.सदस्यांची प्रश्नोत्तरे होणार नाहीत.